



भारत का राजपत्र The Gazette of India

CK
1.8.85

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 267]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 30, 1985/ज्येष्ठ 9, 1907

No. 267]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 30, 1985/JYAISTHA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 मई, 1985

का. आ. 430(अ) 18 कक/आई. डी. आर. ए./85.--केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश स. का. आ. 602 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./74, तारीख 9 अक्टूबर, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट व्यक्ति निकाय को मैसर्स मोटर एंड मशीन मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, कलकत्ता का प्रबंध 9 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्षों के अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राविष्ट किया था और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 567 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./78 तारीख 25 मिनम्बर, 1978 द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के स्थान पर उक्त औद्योगिक उपक्रम के मुख्य अधिशासक ध. प. एन. रामचन्द्रन को प्रतिस्थापित किया गया था, और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 866 (अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./80 तारीख 29 अक्टूबर, 1980 द्वारा अ. के. एस. जैनजी. उप-महाप्रबंधक, भारत हेव इन्डस्ट्रियल्स लिमिटेड,

कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम के प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था:

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश द्वारा उक्त आदेश के अवधि समय-समय पर 31 मई, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है कि और अवधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश तारीख 15 जुलाई, 1985 तक की, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिये;

अतः केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18कक की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त आदेश 15 जुलाई, 1985 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फ. स. 2 (23)/79-स. य. एस.]

ए. प. सरवन मयूक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY
AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th May, 1985

S.O. 430(E)|18AA|IDRA|85.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 602(E)|18AA|IDRA|74, dated the 9th October, 1974 (hereinafter referred to as the said Order) made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, for a period of five years commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P.N. Ramachandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 567(E)|18AA|IDRA|78, dated the 25th September, 1978 and by Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta,

by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. S.O. 866(E)|18AA|IDRA|80, dated the 29th October, 1980, to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the duration of the said Order was extended from time to time by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) for a further period upto and inclusive of 31st May, 1985,

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 15th July, 1985;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 15th July, 1985.

[File No. 2(23|79-CUS]
A.P. SARWAN, Jt. Secy.